भारत-ताजिकिस्तान द्विपक्षीय संबंध

प्रिलिम्स के लिये:

UNSC, SCO, ECOSOC, अजंता फार्मा, ICCR, भारत-मध्य एशिया संवाद

मेन्स के लिये:

भारत-ताजिकिस्तान संबंध, पूर्व-पश्चिम ट्रांस-यूरेशियन ट्रांज़िट आर्थिक गलियारे, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटीईसी), आईसीसीआर, भारत-मध्य एशिया संबंध।

चर्चा में क्यों?

भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने ताजिकिस्तान गणराज्य के ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

- सतत् विकास के लिये जल पर वैश्विक जल कार्रवाई और जलवायु प्रतिरोध का समर्थन करने हेतु जल संसाधन अनुसंधान, विशेष रूप से ग्लेशियर निगरानी, गैर-पारंपरिक ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग और आपदा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

ताजिकिस्तान के साथ भारत के संबंध:

- **सलाहकारी तंत्र:**
  - विदेशी कार्यालय परामर्श।
  - आतंकवाद के निरोध पर संयुक्त कार्यसमूह।
  - व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर संयुक्त आयोग।
  - रक्षा सहयोग पर JWG।
  - विकास हेतु अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग पर JWG।
- **अंतर्राष्ट्रीय मंचों में सहयोग:**
  - 2020 में ताजिकिस्तान ने 2021-22 की अवधि के लिये संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिये भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया।
  - ताजिकिस्तान ने भारत के लिये शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सदस्य के दर्जे का पुरज़ोर समर्थन किया।
  - भारत ने जल संबंधी मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र में ताजिकिस्तान के प्रस्तावों का लगातार समर्थन किया है।
  - भारत ने मार्च 2013 में संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) में ताजिकिस्तान की उम्मीदवारी एवं विश्व व्यापार संगठन में शामिल होने का भी समर्थन किया।
- **विकास और सहायता साझेदारी:**
  - **विकास सहायता:**
    - 0.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुदान के साथ 2006 में एक **सूचना और प्रौद्योगिकी केंद्र (बेदिल केंद्र)** शुरू किया गया था।
      - यह परियोजना 6 वर्षों के पूर्ण हार्डवेयरचक्र (Full Hardware Cycle) के लिये संचालित की गई जिसके तहत ताजिकिस्तान में सरकारी क्षेत्र में पहली पीढ़ी के लगभग सभी आईटी विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया गया।
    - ताजिकिस्तान में 37 स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापित करने की एक परियोजना पूरी हुई जिसे अगस्त 2016 में शुरू किया गया था।
  - **मानवीय सहायता:**
    - जून 2009 में ताजिकिस्तान में बाढ़ से हुए नुकसान में मदद करने के लिये भारत द्वारा 200,000 अमेरीकी डॉलर की नकद सहायता दी गई थी।
    - दक्षिण-पश्चिम ताजिकिस्तान में पोलियो के फैलने के बाद भारत ने नवंबर 2010 में यूनिसेफ के माध्यम से ओरल पोलियो वैक्सीन की 2 मिलियन खुराक प्रदान की।
- **मानव क्षमता निर्माण:**
  - वर्ष 1994 में दुशांबे में भारतीय दूतावास की स्थापना के बाद से ताजिकिस्तान भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम

(Indian Technical & Economic Cooperation Programme- ITEC) का लाभार्थी रहा है।
    - वर्ष 2019 में भारत-मध्य एशिया संवाद प्रक्रिया के तहत कुछ ताजिकिस्तानी राजनयिकों को विदेश सेवा संस्थान, दिल्ली में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।
- **व्यापार और आर्थिक संबंध:**
    - भारत द्वारा ताजिकिस्तान को निर्यात में शामिल मुख्य वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा सामग्री, गन्ना या चुकंदर की चीनी, चाय, हस्तशिल्प और मशीनरी शामिल हैं।
        - ताजिकिस्तान के बाज़ार में भारतीय फार्मास्यूटिकल् उत्पाद की लगभग 25%की हिस्सेदारी है।
    - ताजिकिस्तान द्वारा विभिन्न प्रकार के अयस्क, स्लैग और राख, एल्युमीनियम, कार्बनिक रसायन, हर्बल तेल, सूखे मेवे और कपास भारत को निर्यात किये जाते हैं।
    - वर्ष 2018 में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, आपदा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा व कृषि अनुसंधान और शिक्षा के शांतिपूर्ण उपयोग के क्षेत्रों में आठ समझौता ज्ञापनों पर दोनों देशों के मध्य हस्ताक्षर किये गए।
- **सांस्कृतिक लगाव और लोगों के मध्य संबंध:**
    - गहरे मज़बूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों ने दोनों देशों के मध्य संबंधों को नए स्तर पर वित्तारित करने में मदद की है।
        - दोनों देशों के बीच सहयोग में सैन्य और रक्षा संबंधों पर विशेष ध्यान देने के साथ मानव प्रयास के सभी पहलू शामिल हैं।
    - दुशांबे में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र भारत से **भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद** द्वारा नियुक्त शिक्षकों के माध्यम से कथक और तबला पाठ्यक्रम प्रदान करता है। केंद्र संस्कृत और हिंदी भाषा की कक्षाएँ भी प्रदान करता है।
    - वर्ष 2020 में **'माई लाइफ माई योगा'** वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता में ताजिकिस्तान के लोगों द्वारा उत्साह के साथ योग में भागीदारी की गई।

भारत-मध्य एशिया संबंध:

//

- **परिचय:**
    - तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से ही भारत का मध्य एशिया के साथ संबंध रहा है क्योंकि ये देश **पौराणिक रेशम मार्ग** पर स्थित थे।
    - बौद्ध धर्म ने मध्य एशियाई शहरों जैसे- मर्व, खलाचायन, तिर्मिज़ व बोखरा आदि में **स्तूपों और मठों** के रूप में प्रवेश किया।
    - मध्य एशिया, एशिया और यूरोप के बीच एक भू-सेतु के रूप में कार्य करता है, जो इसे भारत के लिये भू-राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बनाता

है।
        - यह क्षेत्र पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, सुरमा, एल्युमीनियम, सोना, चाँदी, कोयला और यूरेनियम जैसे**प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है**, जिनका भारतीय ऊर्जा आवश्यकताओं के लिये सर्वोत्तम उपयोग किया जा सकता है।
    - मध्य एशियाई क्षेत्र तेज़ी से उत्पादन, कच्चे माल की आपूर्ति और सेवाओं के लिये वैश्विक बाज़ार से जुड़ रहे हैं।
        - वे **पूर्व-पश्चिम ट्रांस-यूरेशियन ट्राँज़िट**आर्थिक गलियारों में भी तेज़ी से एकीकृत हो रहे हैं।
- **भारत-मध्य एशिया संवाद:**
    - यह भारत और मध्य एशियाई देशों जैसे- कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनस्तान व उज़्बेकिस्तान के बीच एक मंत्री स्तरीय संवाद है।
    - शीत युद्ध के पश्चात् वर्ष 1991 में USSR के पतन के बाद सभी पाँच राष्ट्र स्वतंत्र राज्य बन गए।
    - तुर्कमेनस्तान को छोड़कर वार्ता में भाग लेने वाले सभी देश शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य हैं।
    - बातचीत कई मुद्दों पर केंद्रित है जिसमें कनेक्टिविटी में सुधार और युद्ध से तबाह अफगानिस्तान में स्थिरता संबंधी उपाय शामिल हैं।
- **भारत और मध्य एशिया संबंधों के बीच हाल के विकास:**
    - मध्य एशिया में परियोजनाओं के लिये भारत की 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट, चाबहार बंदरगाह और **तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत (TAPI)** गैस पाइपलाइन के बीच व्यापार बढ़ाने के लिये **चाबहार बंदरगाह** का उपयोग करके कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।
    - **'अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर' (INSTC),** **अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारे (ITTC)** पर **अश्गाबात समझौते** के संयोजन के साथ भारत व मध्य एशियाई देशों के बीच संपर्क बढ़ा रहा है।
    - पाँच **मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने तीसरी भारत-मध्य एशिया वार्ता** में भाग लेने के लिये दिसंबर 2021 में नई दिल्ली का दौरा किया।
    - कोविड-19 से निपटने के दौरान मध्य एशियाई देशों ने महामारी के अपने प्रारंभिक चरण के दौरान कोविड-19 टीकों और आवश्यक दवाओं की आपूर्ति हेतु भारत द्वारा की गई सहायता की सराहना की।
    - जनवरी 2022 में भारत के प्रधानमंत्री ने आभासी प्रारूप में पहले **भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन** की मेज़बानी की।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2022)

1. अज़रबैजान
2. किर्गिज़स्तान
3. ताजिकिस्तान
4. तुर्कमेनस्तान
5. उज़्बेकिस्तान

उपर्युक्त में से किन देशों की सीमाएँ अफगानिस्तान से लगती हैं?

(a) केवल 1, 2 और 5
(b) केवल 1, 2, 3 और 4
(c) केवल 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: C

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-tajikistan-bilateral-relations